

ont>

Title: Regarding suspension of the DGP, Patna for his allegations on certain political functionaries in Bihar in connection with law and order situation in the state.

**श्री प्रमुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) :** अध्यक्ष महोदय, पूर्व आरक्षी महानिदेशक, बिहार, पटना द्वारा दिनांक 5.12.2003 को गोपनीय दस्तावेज राज्य सरकार में भेज कर सनसनी फैला दी। **â€œ**(व्यवधान)

उस रिपोर्ट में पाकिस्तान की गुप्तचर एजेंसी आईएसआई से हथियार प्राप्त कर उथल-पुथल मचाना, आईएसआई के माध्यम से जाली रुपया मंगा कर देश की अर्थव्यवस्था तोड़ना, 2001 में दाऊद जैसे माफिया सरगना से मिल कर देश में तबाही मचाने की साजिश करना, कश्मीर के आतंकवादियों से मिल कर आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देना, बिहार और बिहार से बाहर हत्या, अपहरण, डकैती और बैंक डकैती जैसी घटनाओं को अंजाम देना एवं भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा पर खतरा पैदा करने जैसी कार्रवाई शामिल है। **â€œ**(व्यवधान) ऐसे अपराधी पर कार्रवाई करने के चलते बदनीयती से डीजीपी को हटाया गया **â€œ**(व्यवधान) राज्य सरकार द्वारा वैसे अपराधी को संरक्षण दिया जा रहा है जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा पर खतरा बढ़ता जा रहा है। **â€œ**(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय :** रघुवंश प्रसाद जी, यदि आप इस विषय पर बोलना चाहते हैं, तो आपको इजाजत दूंगा लेकिन आप इस तरह से हाउस को डिस्टर्ब न करिये आप बैठिये।

श्री प्रमुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, अखबारों में इस तरह का बयान आया है कि सोनपुर मेले से सीआईडी की एक रिपोर्ट आयी है जिसे मैं आपकी अनुमति से दो-तीन लाइन्स पढ़कर आपको सुनाना चाहता हूँ।

' चालू र्वा के आरंभिक 273 दिनों के दौरान राज्य में प्रति घंटे औसतन 11 आपराधिक घटनायें हुई जिसमें हर ढाई घंटे पर एक व्यक्ति की हत्या, एक लूट, चार घंटे में एक अपहरण तथा 12 घंटे पर एक बलात्कार के अपराध दर्ज किये गये। यह जानकारी सोनपुर के हरिहर क्षेत्र मेला राज्य अपराध अनुसंधान द्वारा प्रदर्शित आपराधिक आंकड़ों से प्रकाश में आई है ' **â€œ**(व्यवधान) अब तक 1750 हत्यायें, 259 फिरौतियों के मामले **â€œ**(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय :** रघुवंश प्रसाद जी, अगर आप यही करेंगे तो मैं किसी को मौका नहीं दूंगा।

**श्री प्रमुनाथ सिंह :** अध्यक्ष जी, डी.जी.पी. ने मजबूरी में इस मामले में बिहार के बारे में बताया है **â€œ**(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय :** रघुवंश प्रसाद जी, आप बैठिये। आपके खड़े होने से क्या होगा। आपको जो कुछ कहना है मेरी अनुमति के बाद ही कहना होगा। इस सदन में हर सदस्य को अपना मुद्दा रखने का अधिकार मिला हुआ है और वह अपने अधिकार के प्रयोग के तहत नोटिस देकर ही बोल रहे हैं। मैंने यह भी कहा है कि उनका नोटिस मेरे पास है और वे बोल रहे हैं। रघुवंश प्रसाद जी, यदि आप बोलना चाहते हैं तो मैं आपको भी मौका दूंगा। लेकिन बीच-बीच में आप डिस्टर्ब करेंगे तो मैं आपको मौका नहीं दूंगा।

**श्री प्रमुनाथ सिंह :** अध्यक्ष महोदय, डीजीपी ने 20 नवम्बर के प्रभात खबर में एक बयान दिया है कि पानी सिर से उमर गुजरने लगा है और 21 नवम्बर के हिन्दुस्तान में यह बयान आया है कि 18 प्रतिशत पुलिस वाले बेईमान हैं। दैनिक जागरण 21 नवम्बर में कहा गया है कि अपराधियों के मुख्य सरगने शाहबुद्दीन का पैर छूने के लिये जेल में मंत्रियों का तांता लगा हुआ है। मैं माननीय सदस्य का नाम नहीं लेना चाहता **â€œ**(व्यवधान) यहां तक कि रा.ज.द के सुप्रीमो जेल में उनके पैर छूने के लिये गये थे **â€œ**(व्यवधान) डी.जी.पी. के खिलाफ जब ऐसा एक्साइज मंत्री ने कहा तो पब्लिक ने जूता-चप्पल चलाकर उनका स्वागत किया **â€œ**(व्यवधान)

**12.18 hrs.**

(At this stage, Hon""ble Member, Shri Ram Prasad Singh came and stood on the floor near the Table)

**श्री प्रमुनाथ सिंह :** अध्यक्ष महोदय, पटना उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार पर जो टिप्पणी की है, उसे हम बताना चाहते हैं। यह 15 जुलाई, 2003 के हिन्दुस्तान अखबार में छपा है - ' शर्म नहीं आती है बिहार सरकार को ' फिर 19 जुलाई को पटना होई कोर्ट ने कहा है **â€œ**(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय :** राम प्रसाद सिंह जी, इधर आने का आपको कोई फायदा नहीं होने वाला। ऐसा न हो कि आप नुकसान में रहें। आप अपनी जगह पर जाइये। Please go back to your seat.

**12.19 hrs.**

(At this stage, Hon""ble Member, Shri Ram Prasad Singh went back to his seat)

**श्री प्रमुनाथ सिंह :** अध्यक्ष महोदय, 24 अक्टूबर को हाई कोर्ट ने मुख्य सचिव से कहा है कि सत्ता में बैठे हुये लोगों को समझा दीजिये कि- ' गरीबों का कत्लेआम न करें ' राबड़ी सरकार के ' मंत्री तलब किये जायेंगे ' **â€œ**(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय :** प्रमुनाथ सिंह जी, इस तरह से चर्चा नहीं हो सकती। अगर आप चाहें तो नियम के अंतर्गत आप चर्चा मांग सकते हैं। ज़ीरो ऑवर में इतनी लम्बी चर्चा कैसे हो सकती है?

**श्री प्रमुनाथ सिंह :** अध्यक्ष महोदय, बिहार के श्री सीता राम यादव द्वारा हरिजन की जमीन पर जबरदस्ती दखल करने के संबंध में आपको बताना चाहता हूँ कि **â€œ**(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय :** इस विषय पर चर्चा हो सकती है। आप चर्चा मांगें। हम इस विषय पर चर्चा कर सकते हैं। मैं बी.ए.सी. में इस विषय को रखूंगा और सभी सदस्य चर्चा में हिस्सा ले सकते हैं।

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, ठीक है।

MR. SPEAKER: Shri Chandra Shekhar ji, Dr. Raghuvansh Prasad Singh wants to speak for a minute.

**श्री प्रभुनाथ सिंह :** अध्यक्ष महोदय, इनका नोटिस नहीं है।

**अध्यक्ष महोदय :** चर्चा के समय आप हिस्सा ले सकते हैं।

**श्री कीर्ति झा आज़ाद :** सर, मैं इनके साथ एसोसिएट करता हूँ।

MR. SPEAKER: I have allowed you to speak only one minute.

**डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) :** अध्यक्ष महोदय, यह स्टेट मैटर है। वहाँ एक डी.जी.पी. को हटा दिया गया, जिसके खिलाफ इन्हीं की पार्टी की श्रीमती रेनु देवी का विशेषाधिकार का नोटिस लम्बित है। पोलिटीकल लोगों को गाली देना, लफंगों की सरकार है, पुलिस में 80 प्रतिशत लोग चोर हैं। (ब्यवधान) इस तरह से बयान दिया तो उसे हटा दिया गया और वहाँ उनकी रणवीर सेना से लागू है। बिहार के सारे क्रिमिनल उसके पक्ष में बयान दे रहे हैं। वे वहाँ भी बयान दे रहे हैं और यहाँ भी उनके पक्ष में बयान दे रहे हैं और वह सी.बी.आई. जांच में कसूरवार है। (ब्यवधान) वह कसूरवार है इसलिए यह कार्रवाई हो रही है। प्रैस से हटकर यहाँ बयान दे रहे हैं। वहाँ भी बयान दे रहे हैं और यहाँ भी अपराधी लोग उसके पक्ष में बयान दे रहे हैं। (ब्यवधान)

MR. SPEAKER: Now, Shri Chandra Shekhar, the hon. former Prime Minister will speak.